(2)

प्रेस विज्ञप्ति

अफसर शाही (एक अनसुना सच) यह पुस्तक मैंने लिखी है, इस पुस्तक में मेरे साथ घटित घटनाक्रम (आप- बीती) का उल्लेख मैंने मय प्रमाणों /सबूतों के साथ किया किया है। यह समस्त प्रमाण/ सबूत आप इस पुस्तक में दिए गये QR Code Scan करके देख सकते हैं तथा उनको Download करके प्रिंटआउट भी निकाल सकते हैं।

यह पुस्तक देश में अफसरशाही की उस तस्वीर को आपके समक्ष प्रस्तुत करती है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते अधिकारीगण (जिनमें आई0ए0एस0 और पी0सी0एस0अधिकारी शामिल हैं) ने माफियाओं, अपराधियों से अपने संबंधों को छुपाने और अरबों रुपए की सरकारी संपत्ति का बन्दरबांट करने के अपने प्रयासों को छुपाने के लिए, किस प्रकार एक कृत्रिम महाभूमिघोटाला दर्शाकर, उस कृत्रिम महाभूमिघोटाले की आड़ में किस प्रकार अरबो रुपए की किसानों की गन्ने की फसल को लूटते हैं। मुझ सहित सैकड़ो किसानों पर अनेक फर्जी मुकदमे कायम करते/कराते हैं, फर्जी सबूत बनाते एवं बनवाते हैं, फर्जी विवेचनाये कराते हैं तथा समाज, शासन तथा सरकार को गुमराह करते हैं। इस पुस्तक में सबूतों के साथ यह दिखाया गया है कि अधिकारी किस प्रकार अपराध करते हैं, लूट करते हैं, गबन करते हैं, भ्रष्टाचार करते हैं, माफियाओ को संरक्षण प्रदान करते हैं।

इस पुस्तक में सबूतों के साथ में यह भी दिखाया गया है इस देश में किसी सरकारी कर्मचारी के लिए ईमानदारी से कार्य करना कितना दुष्कर है, यदि कोई कर्मचारी अपने कर्तव्यपथ से विचलित नहीं होता है तो अधिकारी उसे किस तरह फर्जी रूप से फंसाते हैं, बदनाम करते हैं, उसे महाभ्रष्टाचारी, गैंगस्टर, हिस्ट्रीशीटर, अरबों- खरबों की अवैध संपत्ति का स्वामी, टॉप 10 भूमाफिया और अनेक आपराधिक मुकदमों का अभियुक्त बनाते हैं तथा सरकारी सेवा से किस प्रकार बाहर का रास्ता दिखाते हैं जबकि वह वास्तव में ईमानदार एवं कर्तव्य निष्ठ होता है और उसका दोष मात्र इतना होता है कि वह इन अधिकारियों के अपराधों को सार्वजनिक करता है।

इस देश में प्रजातंत्र, संविधान एवं कानून का शासन है किंतु इसके साथ यह भी सच्चाई है कि इस देश में अधिकारियों की तानाशाही है, अधिकारी जो लिखे वही नियम, वही कानून, कोई सही/ गलत देखने वाला नहीं है, अधिकारी लूट करें, गबन करें, भ्रष्टाचार करें, अपराध करें, माफियाओं/ अपराधियों को संरक्षण प्रदान करें, षड्यंत्र के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना व फ्रॉड करके फर्जी रिपोर्टें तैयार करें, माफियाओं के कहने से कार्य करें, माफियाओं के साथ मिलकर अरबो रुपए की सरकारी संपत्ति का बन्दरबांट करें, फर्जी मुकदमे दर्ज करें एवं कराये, फर्जी सबूत बनाये, फर्जी विवेचनाये कराये तथा इन सबके लिखित सबूत/ प्रमाण होने और उन सबूतो /प्रमाणों को देश के सभी उच्च महत्वपूर्ण संस्थाओं के पास भेजने / दिखाने के बाद भी उन अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करना तो दूर की बात, उनकी जांच भी इस देश में नहीं होती है।

यह पुस्तक आपको इस सत्य से भी अवगत करायेगी कि इस देश में किसानों की बात तो सब करते हैं किंतु उनका साथ कोई नहीं देता है। किसानों से उनकी जमीने छीन ली जाये, उनकी फसले लूट ली जाये, उन्हीं पर फर्जी मुकदमे दर्ज करा दिये जाये, फर्जी सबूत बनवाये जाये, फर्जी विवेचनाये करायी जाये, इस सबके बावजूद पीड़ितों को न्याय दिलाने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए कोई आवाज उठाने के लिए तैयार नहीं है। वैसे इस देश में किसान हितैषियों की कोई कमी भी नहीं है।

यह पुस्तक आपको उस सच्चाई से भी अवगत करायेगी कि हमारे देश के आजाद होने से लेकर अब तक किसी भी सरकारी कर्मचारी का इतना अधिक उत्पीड़न आज तक नहीं हुआ होगा जितना मेरा हुआ है लेकिन साथ ही यह भी दिखायेगी कि यदि व्यक्ति सत्य की राह पर खड़ा है तो उसके मनोबल को गिराया नहीं जा सकता। यह पुस्तक उन लोगों के लिए एक प्रेरणा स्रोत है जो जीवन में थोड़ी सी परेशानी आने पर हार मान लेते हैं और अवसादग्रस्त हो जाते हैं, अपना जीवन समाप्त करने की बात सोचने लगते हैं, ऐसे लोगों के लिए यह पुस्तक संजीवनी का कार्य करेगी इस पुस्तक को पढ़कर उन्हें आभास होगा कि हमें अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए और जीवन में कितनी भी विकट परिस्थितिया उत्पन्न हो, कभी हार नहीं माननी चाहिए।

इस पुस्तक को मैने प्रार्थना पत्रो के साथ संलग्न करके मा0 राष्ट्रपति महोदया, मा0 मुख्य न्यायाधीश, मा0 उच्चतम न्यायालय, मा0 श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमन्त्री, मा0 श्री अमित शाह केन्द्रीय गृहमन्त्री, मा0 अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, मा0 मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद, मा0 योगी आदित्यनाथ, मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश, मा0 प्रमुख सचिव (कार्मिक) भारत सरकार, नई दिल्ली, मा0 निदेशक प्रवर्तन भारत सरकार, नई दिल्ली, मा0 केन्द्रीय सर्तकता आयुक्त नई दिल्ली, मा0 निदेशक केन्द्रीय जाँच

ब्यूरो, मा0 मुख्यमन्त्री व एल0 जी0 महोदय, दिल्ली सरकार, मा0 प्रमुख सचिव (न्याय) भारत सरकार, मा0 अध्यक्ष महोदय, राजस्व परिषद लखनऊ, मा0 पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, लखनऊ, मा0 मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश, श्रीमान अपर मुख्य सचिव (राजस्व) उत्तर प्रदेश शासन, मा0 प्रमुख सचिव (न्याय) उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, श्रीमान जिलाधिकारी महोदय, जनपद मुजफ्फरनगर, श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, जनपद मुजफ्फरनगर को डाक द्वारा न्याय प्रदान कराये जाने की प्रार्थना करते हुए भेज दिया गया है।

मैं आप सब के माध्यम से यह भी कहना चाहता हूं कि इस प्रकरण की जांच सरकार को उच्च स्तर पर करानी चाहिए, दोषियों को सजा एवं निर्दोषों को न्याय देना चाहिए। अब तो समस्त लिखित प्रमाण /सबूत इस पुस्तक में उपलब्ध है साथ ही मुझे एवं मेरे परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए तथा अधिकारियों एवं माफियाओ द्वारा मुझे फर्जी मुकदमों में फंसाकर पुनः जेल भिजवाये जाने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

दिनांक :- 15/12/2025

जय भगवान अग्रवाल (पटवारी)

लेखक एवं संपादक

फेसबुक: -Jai Bhagwan Aggarwal

वेबसाइट: -afsarshahi.in

मोबाइल नंबर: -8630682756

व्हाट्सएप: -9720110294

(इस QR Cade को Scan करके भी इस पुस्तक को पढ़ा जा सकता है तथा इसको Download करके पुस्तक का प्रिंटआउट भी निकाला जा सकता है।)